किसानों के साथ वैज्ञानिक।

# जैविक खाद का किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

कानपुर, 26 जून। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दो दिवसीय कार्यशाला में किसानों को रासायनिक खादों के विकल्प के रूप में किण्वित जैविक खाद (एफओएम), जीवामृत और वर्मी कम्पोस्ट के वैज्ञानिक उत्पादन और उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और कृषि भूमि की उर्वरा शक्ति को सुधारना है। समापन सत्र के दौरान किसानों को मुख्य रूप से देशी गाय के गोबर और मूत्र से जीवामृत, बीजामृत और मटका खाद बनाने की विधियां बनाने एवं उपयोग करने की विधि बताई गई। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं के तहत मिल रही वित्तीय सहायता और प्रमाणन की जानकारी दी। मृदा परीक्षण आधारित जैविक उर्वरकों के प्रयोग से उपज में वृद्धि और लागत में कमी विषयक किसान भाइयों को विस्तार से जानकारी दी गई। अंत में किसान भाइयों ने किंवित जैविक खाद अपनाने का संकल्प लिया।

# किसानों ने सीखी जैविक खाद बनाने की तकनीक

**जागरण संवाददाता, कानपुर देहात :** कृषि विज्ञान केंद्र दिलीपनगर में जैविक खाद (एफओएम) योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को रासायनिक उर्वरकों के विकल्प के रूप में किण्वित जैविक खाद, जीवामृत और वर्मी कंपोस्ट के वैज्ञानिक उत्पादन एवं उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

समापन सत्र में किसानों को देसी गाय के गोबर एवं गोमूत्र से जीवामृत, बीजामृत और मटका खाद तैयार करने तथा उनके उपयोग की विधि विस्तार से बताई गई। विशेषज्ञों ने बताया कि जैविक उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ती है, उत्पादन लागत घटती है और फसलों की गुणवत्ता में सुधार होता है। मृदा विज्ञानी डा. खलील खान ने केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत जैविक खेती के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता और प्रमाणन प्रक्रिया की जानकारी दी।

# मटका खाद से सुधरेगी मिट्टी की सेहत

## दो दिवसीय किण्वित जैविक खाद जागरूकता कार्यक्रम में दी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

**कानपुर देहात।** मटका खाद प्रयोग कर खेत में मिट्टी की सेहत सुधारी जा सकती है। मटके में गोबर, गोमूत्र, गुड़ और बेसन व पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाकर 21 दिन में यह खाद बनती है।

इसके प्रयोग से मिट्टी में सूक्ष्म जीवों और केंचुओं की संख्या बढ़ाती है। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश पोषक तत्व मिलते हैं। महंगी उर्वरक का खर्च बचता है और पैदावार बढ़ती है। यह जानकारी कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने किसानों को शुक्रवार को दी।

दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया है। कृषि वैज्ञानिकों ने रासायनिक उर्वरक के विकल्प के रूप में किण्वित जैविक खाद (एफओएम), जीवामृत और वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग पर जोर दिया। मटका खाद बनाने का तरीका बताया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और कृषि भूमि की उर्वरा शक्ति को सुधारना रहा।

मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने किसानों को मुख्य रूप से देशी गाय के गोबर और मूत्र से जीवामृत, बीजामृत बनाने की विधियां बनाने एवं उपयोग करने की विधि बताई गई। सरकारी योजनाओं के तहत मिल रही वित्तीय सहायता की जानकारी भी दी गई। यहां करीब पचास किसान मौजूद रहे।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

# स्वतंत्र भारत

कानपुर, शनिवार
27 जून, 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष 13
सं. 2083 वि.
वर्ष 37, अंक - 305 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

# किसानों को बताई गई बीजामृत और मटका खाद बनाने की विधि

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, कानपुर।** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया है। इस दो दिवसीय कार्यशाला में किसानों को रासायनिक खादों के विकल्प के रूप में किण्वित जैविक खाद, जीवामृत और वर्मी कम्पोस्ट के वैज्ञानिक उत्पादन और उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और कृषि भूमि की उर्वरा शक्ति को सुधारना है। समापन सत्र के दौरान किसानों को मुख्य रूप से देशी गाय के गोबर और मूत्र से जीवामृत, बीजामृत और मटका खाद बनाने की विधियां बनाने एवं उपयोग करने की विधि बताई गई। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं के तहत मिल रही वित्तीय सहायता और प्रमाणन की जानकारी दी। मृदा परीक्षण आधारित जैविक उर्वरकों के प्रयोग से उपज में वृद्धि और लागत में कमी विषयक किसान भाइयों को विस्तार से जानकारी दी गई। अंत में किसान भाइयों ने किंवित जैविक खाद अपनाने का संकल्प लिया।

(हिन्दी दैनिक)
R.N.I. No. Utthin/2018/76731
(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)
# दि ग्राम टुडे
उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित
वर्ष: 08 अंक: 261 देहरादून, शनिवार 27 जून 2026 पृष्ठ : 12

# कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में दो दिवसीय जैविक खाद प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

दि ग्राम टुडे,कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में आयोजित

दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान किसानों को रासायनिक खादों के विकल्प के रूप में किण्वित जैविक खाद (एफओएम), जीवामृत और वर्मी कम्पोस्ट के वैज्ञानिक उत्पादन एवं उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना तथा कृषि भूमि की उर्वरा शक्ति को बेहतर बनाना था। समापन सत्र में किसानों को देशी गाय के गोबर और मूत्र से जीवामृत, बीजामृत एवं मटका खाद तैयार करने और उनके उपयोग की विधियों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाली वित्तीय सहायता एवं प्रमाणन प्रक्रिया के बारे में किसानों को अवगत कराया। उन्होंने मृदा परीक्षण आधारित जैविक उर्वरकों के प्रयोग से उपज में वृद्धि और लागत में कमी के लाभों पर भी विस्तार से जानकारी दी।

प्रशिक्षण के अंत में उपस्थित किसान भाइयों ने किण्वित जैविक खाद को अपनाने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 351 कानपुर, शनिवार 27 जून 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

# दीक्षोत्सव 2026 में इंडोर गेम्स शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस में छात्रों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

कानपुर । सीएसए में आयोजित वार्षिक %दीक्षोत्सव 2026% के अंतर्गत आज विश्वविद्यालय परिसर में इंडोर गेम्स प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कुलपति

डॉ. संजीव गुप्ता एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) डॉ. मुकेश श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस खेल प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।दीक्षोत्सव 2026 के अंतर्गत आयोजित इस खेल सत्र में शतरंज , कैरम तथा टेबल टेनिस की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय देते हुए प्रतिस्पर्धा की।पूरे आयोजन को सुचारू, अनुशासित एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने में डॉ. एस.के. विश्वास (प्रोफेसर), डॉ. अरुण कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर) एवं डॉ. सुनील कुमार (एडीएसडब्ल्यू) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके कुशल समन्वय एवं सतत् पर्यवेक्षण में प्रतियोगिताएँ सफलतापूर्वक संपन्न हुईं और खिलाड़ियों ने खेल भावना का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।प्रतियोगिताओं का संचालन पूर्ण निष्पक्षता एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप किया गया। इस दौरान खेल विशेषज्ञ आशीष शुक्ला ने मुख्य रेफरी के रूप में अपनी जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन किया तथा सभी मुकाबलों का निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित किया।